नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 255
दि. 16.01.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

शिक्षा आजीविका मात्र का साधन नहीं है; यह समाज और राष्ट्र की सेवा का भी एक साधन है: राष्ट्रपति

राष्ट्रपति गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (15 जनवरी, 2026) पंजाब के अमृतसर में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि औपचारिक शिक्षा पूरी करने के बाद छात्र अलग-अलग दिशाओं में अपना सफर शुरू करेंगे। कुछ सरकारी या निजी क्षेत्र में सेवा करेंगे, कुछ उच्च शिक्षा या अनुसंधान करेंगे, जबकि कई अपना खुद का व्यवसाय स्थापित करेंगे या शिक्षण में अपना करियर बनाएंगे। हालांकि प्रत्येक क्षेत्र में अलग-अलग योग्यताओं और कौशलों की आवश्यकता होती है, लेकिन कुछ गुण हर क्षेत्र में प्रगति के लिए समान रूप से आवश्यक और सहायक होते हैं। ये गुण हैं - सीखने की निरंतर इच्छा और लगन; प्रतिकूल और कठिन परिस्थितियों में भी नैतिक मूल्यों, सत्यनिष्ठा और ईमानदारी का दृढ़ पालन; परिवर्तन को अपनाने का साहस; असफलताओं से सीखने और आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प; टीम वर्क और सहयोग की भावना; समय और संसाधनों का अनुशासित उपयोग; और ज्ञान और क्षमताओं का उपयोग व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के व्यापक हित के लिए करना। उन्होंने कहा कि ये गुण न केवल उन्हें एक अच्छा व्यवसायी बनाएंगे, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक भी बनाएंगे।

राष्ट्रपति ने छात्रों को याद दिलाया कि शिक्षा केवल जीविका का साधन नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा का भी साधन है। उन्होंने कहा कि जिस समाज ने उन्हें शिक्षा प्रदान की है, उसके प्रति वे ऋणी हैं। विकास की राह में पिछड़ चुके लोगों के उत्थान के कोशिश करना इस ऋण को चुकाने का एक तरीका हो सकता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले दशक में भारत ने प्रौद्योगिकी विकास और उद्यमिता संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज कृषि से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रक्षा से लेकर अंतरिक्ष तक, युवाओं के लिए अनेक उद्यमशीलता के अवसर उपलब्ध हैं। हमारे उच्च शिक्षा संस्थान अनुसंधान को बढ़ावा देकर, उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करके और सामाजिक रूप से प्रासंगिक नवाचारों को प्रोत्साहित करके इस प्रगति को और गति प्रदान कर सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के वर्षों में पंजाब में मादक द्रव्यों के सेवन की समस्या एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी है, जिससे सबसे अधिक प्रभावित युवा हैं। यह समस्या न केवल स्वास्थ्य बल्कि समाज के सामाजिक, आर्थिक और नैतिक ताने-बाने को भी प्रभावित कर रही है। एक

स्वस्थ समाज के लिए इस समस्या का स्थायी समाधान आवश्यक है। इस संदर्भ में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय जैसे शिक्षण संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को युवाओं को सही दिशा में मार्गदर्शन करने के लिए हर संभव कोशिश करना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि 'विकसित भारत' के निर्माण में अगले दो दशक अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। भारत का भविष्य उन युवाओं पर निर्भर करता है जो वैज्ञानिक सोच रखते हैं, जिम्मेदारी से कार्य करते हैं और निस्वार्थ भाव से सेवा करते हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों से अपने छात्रों में इन मूल्यों को विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने युवा छात्रों से यह भी सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि वे जो भी व्यवसाय चुनें, उनका योगदान राष्ट्र को मजबूत करने और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने में सहायक हो।

राष्ट्रपति ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु नानक देव विश्वविद्यालय की स्थापना श्री गुरु नानक देव जी की 500वीं जयंती के अवसर पर हुई है और उनके उपदेश एवं मूल्य इस विश्वविद्यालय के मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी के उपदेश हमारी साझा विरासत हैं और उनके विचार एवं आदर्श समस्त मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करके हम समाज में व्याप्त अनेक समस्याओं का समाधान पा सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने हमें सिखाया है कि समाज में महिलाओं को समान अधिकार मिलने चाहिए। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि गुरु नानक देव विश्वविद्यालय गुरु नानक देव की शिक्षाओं के अनुरूप महिला सशक्तिकरण के लिए प्रयासरत है, जो दीक्षांत समारोह में डिग्री और पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की अधिकता से स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि समाज और राष्ट्र के हित में है कि महिलाओं को पूर्ण आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के अवसर मिलें और सभी को इसके लिए कोशिश करना चाहिए।

गोपालक सरकार की योजनाओं को गंभीरता से समझें: सीएम योगी

वैज्ञानिकों ने गौशाला स्वावलंबन अभियान की रिपोर्ट भेंट की

(जीएनएस)।

लखनऊ। सीएम योगी से गत बुधवार को चेन्नई से प्रकाशित एनिमल वेलफेयर साइंस की पत्रिका पशु मित्र के प्रधान संपादक और भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड के पूर्व वैज्ञानिक/सहायक सचिव/चीफ एडिटर डा. आरबी चौधरी ने भेंट की। भारत सरकार के जीव जंतु कल्याण प्रतिनिधि एवं पशु मित्र के वैज्ञानिक एवं तकनीकी समाचार संपादक डॉ. अमरनाथ जायसवाल भी उपस्थित थे।

इस दौरान पत्रिका टीम के वैज्ञानिकों तथा विशेषज्ञों की ओर से प्रदेश में संचालित स्वावलंबी गौशाला अभियान पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि प्रदेश की गौशालाओं में लावारिस गोवंश की

बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के लिए गोबर और गोमूत्र का वैज्ञानिक विधि से उपयोग कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। योगी आदित्यनाथ ने इस पहल की गंभीरता को समझते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज और गोवंश के लिए अत्यंत जरूरी हैं और इन्हें निरंतर करते रहना चाहिए।

बताया कि वर्तमान में पीलीभीत जनपद में इसकी शुरूआत कर दी गई है, जहां जल्द ही गोबर और गोमूत्र से लिक्विड बायो-फर्टिलाइजर तैयार किया जाएगा। तकरीबन 20 लाख की लागत से तैयार इकाई में यह तकनीक गौशाला को प्रतिमाह कम से कम एक लाख रुपये की आमदनी कराने में सक्षम है। सीएम ने अंततः यह भी कहा कि गोपालक सरकार की योजनाओं को गंभीरता से समझे और अपनायें।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर, प्रधानमंत्री 16 जनवरी को स्टार्टअप इंडिया के एक दशक पूरे होने पर एक कार्यक्रम में शामिल होंगे

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के मौके पर, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 16 जनवरी 2026 को दोपहर 1 बजे भारत मंडपम, नई दिल्ली में स्टार्टअप इंडिया पहल के एक दशक पूरे होने के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

पीएम मोदी ने संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन का उद्घाटन किया

भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत बना लिया है: प्रधानमंत्री

भारत ने दिखाया है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं लोकतंत्र को स्थायित्व, गति और व्यापकता प्रदान करती हैं: प्रधानमंत्री

भारत में लोकतंत्र का अर्थ है अंतिम व्यक्ति तक सेवाएं पहुंचाना: प्रधानमंत्री

हमारा लोकतंत्र एक विशाल वृक्ष की तरह है जिसकी जड़ें गहरी हैं; हमारे यहां वाद-विवाद, संवाद और सामूहिक निर्णय लेने की लंबी परंपरा है: प्रधानमंत्री

भारत हर वैश्विक मंच पर विकासशील देशों के मुद्दों को मजबूती से उठा रहा है; जी20 की अध्यक्षता के दौरान भी, भारत ने वैश्विक एजेंडा के केंद्र में विकासशील देशों की प्राथमिकताओं को रखा: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रमंडल देशों के लोकसभा अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में अध्यक्ष की भूमिका अद्वितीय होती है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष को बोलने का अधिक अवसर नहीं मिलता, लेकिन उनकी जिम्मेदारी दूसरों की बात सुनने और यह सुनिश्चित करने में निहित है कि सभी को अपनी बात कहने का मौका मिले।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि धैर्य अध्यक्षों का सबसे आम गुण है, जो शोर मचाने वाले और अति उत्साही सांसदों को भी मुस्कुराते हुए संभाल लेते हैं।

इस विशेष अवसर पर अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए श्री मोदी ने उनकी उपस्थिति पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आप जिस स्थान पर बैठे हैं, वह भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने याद दिलाया कि औपनिवेशिक शासन के अंतिम वर्षों में, जब भारत की स्वतंत्रता निश्चित थी, संविधान सभा ने इसी केंद्रीय कक्ष में संविधान का मसौदा तैयार किया था। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि स्वतंत्रता के बाद 75 वर्षों तक, यह भवन भारत की संसद के रूप में कार्य करता रहा, जहां राष्ट्र के भविष्य को आकार देने वाले कई महत्वपूर्ण निर्णय और चर्चाएं हुईं। श्री मोदी ने बताया कि देश ने अब इस ऐतिहासिक स्थल को संविधान सदन नाम देकर लोकतंत्र को समर्पित कर दिया है।

कोयंबटूर : उपराष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा को राष्ट्र निर्माण मिशन के रूप में रेखांकित किया

उपराष्ट्रपति ने कहा, 'स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की नींव है'

उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि सरकारी संस्थानों के साथ-साथ निजी चिकित्सा संस्थान भी स्वस्थ भारत और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे

(जीएनएस)।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज कोयंबटूर में स्वास्थ्य सेवा से संबंधित दो प्रमुख कार्यक्रमों में भाग लिया, जिनमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे निरंतर परिवर्तन को उजागर किया गया।

उपराष्ट्रपति ने कोवई मेडिकल सेंटर एंड हॉस्पिटल (केएमसीएच) में केएमसीएच इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज और ओपीडी ब्लॉक के साथ-साथ केएमसीएच मेडिकल कॉलेज पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट का उद्घाटन किया। इसके बाद, उन्होंने कोयंबटूर के कोडिसिया हॉल में आयोजित श्री रामकृष्ण अस्पताल के स्वर्ण जयंती समारोह और रामकृष्ण डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की 25वीं वर्षगांठ के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

दोनों सभाओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये संस्थान इस बात के सशक्त उदाहरण हैं कि कैसे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और करुणा मिलकर राष्ट्र को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्वास्थ्य सेवा केवल एक सेवा क्षेत्र नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक मिशन है।

उन्होंने सरकारी पहलों को पूरा करने और अंतिम छोर तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण निजी स्वास्थ्य संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल अहमदाबाद में मकरसंक्रांति पर्व के उत्सव में सहभागी हुए

मुख्यमंत्री ने वाडीगाम के निवासियों के साथ पतंग उड़ाकर उत्तरायण पर्व का हर्षोल्लासपूर्वक उत्सव मनाया

गांधीनगर, (जीएनएस)। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को अहमदाबाद के ऐतिहासिक दरियापुर क्षेत्र के वाडीगाम में स्थानीय निवासियों के साथ मकरसंक्रांति पर्व का उत्सव मनाया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राज्य के सभी नागरिकों को मकरसंक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

जिस प्रकार पतंग आकाश की ऊंचाइयों को छूती है, उसी प्रकार गुजरात विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करे; इस भावना के साथ मुख्यमंत्री ने वाडीगाम की मूळजी पारेख की पोल में पतंग उड़ाकर पर्व का आनंद लिया। मुख्यमंत्री को अपने बीच देखकर स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

मुख्यमंत्री का पोल के निवासियों ने अपने-अपने छतों से हर्षनाद और अभिवादन के साथ भावपूर्वक स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने अभिवादन स्वीकार कर सभी का उत्साह बढ़ाया।

इस उत्सव में मुख्यमंत्री के साथ अहमदाबाद के सांसद श्री दिनेशभाई मकवाणा, दरियापुर के विधायक श्री कौशिकभाई जैन, स्थानीय काउंसलर तथा राजनीतिक अग्रणी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के साथ पतंगबाजी का आनंद लेने का अवसर मिलने से उपस्थित लोगों और पतंग प्रेमियों के लिए मकरसंक्रांति का यह उत्सव यादगार बन गया

सामरिक व्यापार नियंत्रण 2026 पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने विदेश मंत्रालय (एमईए), फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन्स (एफआईईओ) और अन्य सरकारी साझेदारों और उद्योग जगत के हितधारकों के सहयोग से आज नई दिल्ली में सामरिक व्यापार नियंत्रण पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएसटीसी) 2026 का आयोजन किया।

सम्मेलन भारत के सामरिक व्यापार नियंत्रण (एसटीसी) ढांचे पर चर्चा का मंच बना, जिसमें एससीओएमईटी फ्रेमवर्क के अंतर्गत विनियमित दोहरे इस्तेमाल और संवेदनशील वस्तुओं, प्रौद्योगिकियों, सॉफ्टवेयर, सामग्री और उपकरणों के निर्यात को नियंत्रित करने वाली नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं।

भारतीय सेना ने 78वां सेना दिवस जयपुर में मनाया

(जीएनएस)।

भारतीय सेना ने 15 जनवरी 2026 को राजस्थान के जयपुर में 78वां सेना दिवस मनाया। सेना परेड का शुभारंभ जयपुर के महल रोड स्थित शहर के मध्य में अक्षय पात्र सर्कल से आरंभ होकर बॉम्बे अस्पताल पर समाप्त हुई। 2023 से बेंगलुरु, लखनऊ और पुणे

प्रेरणा स्थल पर पुष्पांजलि समारोह से हुआ, जहां प्रधान सेना अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान और सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। भारतीय वायु सेना की ओर से एयर वाइस मार्शल एम बंदोपाध्याय और भारतीय नौसेना की तरफ से कमोडोर पी वर्मा ने पुष्पचक्र अर्पित किए।

देश के अन्य हिस्सों में इसे आयोजित करने के निर्णय के बाद, यह चौथा अवसर है जब सेना दिवस परेड दिल्ली से बाहर आयोजित की गई। पहली बार सेना छावनी के बाहर, परेड में आयोजित होने के बाद सेना के दक्षिण पश्चिमी कमान ने पहली बार परेड की मेजबानी की।

सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भव्य परेड की सलामी ली। जयपुर के महल रोड पर आयोजित कार्यक्रम देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले पांच वीर शहीदों को सेना पदक, मरणोपरांत, उनके परिजनों को सौंपे जाने से आरंभ हुआ। सेना अध्यक्ष ने उन्हें पदक सौंपे।

एक लाख से अधिक लोगों ने भव्य सेना दिवस परेड उत्साहपूर्वक देखा। लोगों की भागीदारी भारतीय सेना और जनता के बीच अटूट विश्वास और गौरव के बंधन को दशार्ती है। भारी लोक समर्थन से समारोह में अपार ऊर्जा परिलक्षित हुई और इसमें सैनिकों के प्रति राष्ट्र के अटूट समर्थन फिर से स्थापित हुआ। परेड में सेना द्वारा भविष्य में युद्ध क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी प्रदर्शित की गई। इसमें स्वदेशी तकनीक और निर्माण तथा वैश्विक सैन्य रुझानों से अग्रणी रहने के सेना के निरंतर ध्यान को रेखांकित किया। तकनीकी प्रगति से राष्ट्र की रक्षा के प्रति उसकी तत्परता सुनिश्चित होती है।

परेड में 30 से अधिक संस्थाओं ने भाग लिया और सात विशिष्ट परेड टुकड़ियों ने प्रभावशाली मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया। इनमें विभिन्न रेजिमेंटल केंद्रों मद्रास रेजिमेंटल सेंटर, राजपूत रेजिमेंटल सेंटर, आर्टिलरी रेजिमेंट, मिक्स्ड स्काउट्स टुकड़ी और एनसीसी गर्ल्स टुकड़ी शामिल रहीं। उल्लेखनीय पहल के रूप में, दो विशेष टुकड़ियों राजरिफ और सिख ली की भैरव बटालियन ने परेड में भाग लिया। ये टुकड़ियां भारतीय सेना की आधुनिक, चुस्त और घातक युद्ध क्षमताओं की ओर रणनीतिक बदलाव का प्रतीक हैं, जिन्हें विशेष रूप से सीमाओं पर तीव्र और उच्च-प्रभाव अभियानों के लिए तैयार किया गया है। इन टुकड़ियों ने भैरव बटालियन को "फुर्तीली और शक्तिशाली" बल के रूप में दशार्या, जो आधुनिक युद्धक्षेत्र में "अधिक कुशलता से लड़ने और तेजी से हमला करने" के भारत के संकल्प को दशार्ता है।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

डीएम ने 15 लाभार्थियों को वितरित किए निःशुल्क एग-चिकन कार्ट, पोल्ट्री व्यवसाय को मिला रफ्तार

(जीएनएस)।

पीलीभीत।जिलाधिकारी ने पशु चिकित्सालय सदर पहुंचकर जनपद के 15 लाभार्थियों को नेशनल एग कोआर्डिनेशन कमेटी द्वारा पशुपालन विभाग के सहयोग से निःशुल्क एग एवं चिकिन कार्ट वितरित किए।

यह पहल पोल्ट्री व्यवसाय की वृद्धि एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है, जिससे ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा।कार्यक्रम में डीएम ने लाभार्थियों को कार्ट सौंपते हुए कहा कि जिला प्रशासन पशुपालन क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कटिबद्ध है।

नेशनल एग कोआर्डिनेशन कमेटी के प्रतिनिधियों ने बताया कि ये आधुनिक कार्ट अंडे बिक्री एवं चिकन

वितरण के लिए सुसज्जित हैं, जो स्थानीय बाजारों में आसानी से उपयोग किए जा सकेंगे।

पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने भी इस अवसर पर उपस्थित होकर लाभार्थियों को व्यवसाय संचालन की जानकारी दी।इस वितरण से लाभार्थी परिवारों की आर्थिक स्थिति सशक्त होगी तथा जिले में पोल्ट्री उत्पादन में वृद्धि होगी।

डीएम ने निर्देश दिए कि ऐसी योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि और लोग लाभान्वित हो सकें। लाभार्थियों ने डीएम एवं संबंधित विभागों का आभार व्यक्त किया।

पशुपालन विभाग के अनुसार, यह योजना ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भविष्य में सदर ब्लॉक सहित अन्य क्षेत्रों में भी इसी प्रकार के वितरण आयोजित किए जाएंगे।

डीएम ने 15 लाभार्थियों को वितरित किए निःशुल्क एग-चिकन कार्ट, पोल्ट्री व्यवसाय को मिला रफ्तार

(जीएनएस)।

पीलीभीत।जिलाधिकारी ने पशु चिकित्सालय सदर पहुंचकर जनपद के 15 लाभार्थियों को नेशनल एग कोआर्डिनेशन कमेटी द्वारा पशुपालन विभाग के सहयोग से निःशुल्क एग एवं चिकिन कार्ट वितरित किए।

यह पहल पोल्ट्री व्यवसाय की वृद्धि एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है, जिससे ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा।कार्यक्रम में डीएम ने लाभार्थियों को कार्ट सौंपते हुए कहा कि जिला प्रशासन पशुपालन क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कटिबद्ध है।

नेशनल एग कोआर्डिनेशन कमेटी के प्रतिनिधियों ने बताया कि ये आधुनिक कार्ट अंडे बिक्री एवं चिकन

वितरण के लिए सुसज्जित हैं, जो स्थानीय बाजारों में आसानी से उपयोग किए जा सकेंगे।

पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने भी इस अवसर पर उपस्थित होकर लाभार्थियों को व्यवसाय संचालन की जानकारी दी।इस वितरण से लाभार्थी परिवारों की आर्थिक स्थिति सशक्त होगी तथा जिले में पोल्ट्री उत्पादन में वृद्धि होगी।

डीएम ने निर्देश दिए कि ऐसी योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि और लोग लाभान्वित हो सकें। लाभार्थियों ने डीएम एवं संबंधित विभागों का आभार व्यक्त किया।

पशुपालन विभाग के अनुसार, यह योजना ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भविष्य में सदर ब्लॉक सहित अन्य क्षेत्रों में भी इसी प्रकार के वितरण आयोजित किए जाएंगे।

शाम ग्रुप द्वारा आयोजित खेल महोत्सव का आज भव्य शुभारंभ

(जीएनएस)।

लखनऊ/प्रयागराज

शिक्षा, खेल और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शाम ग्रुप द्वारा आयोजित खेल महोत्सव का आज भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर कौशांबी लोकसभा क्षेत्र के सांसद माननीय पुष्पेंद्र सरोज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सांसद ने विधिवत फीता काटकर खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना से आगे बढ़ने का संदेश दिया।

संस्था के अध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव सामाजिक सेवा, शिक्षा और खेल के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं। उनका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों और युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ खेल के माध्यम से आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना है। वे मानते हैं कि खेल न केवल शारीरिक विकास करता है, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना भी विकसित करता है। उनके मार्गदर्शन में शाम ग्रुप लगातार शिक्षा, प्रतिभा सम्मान, खेल प्रतियोगिताओं एवं सामाजिक सहयोग जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रहा

है।कार्यक्रम के आयोजन में शाम ग्रुप की पूरी कार्यकारिणी की अहम भूमिका रही। संस्था के अध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव, सचिव मनीष यादव एवं उप-सचिव अतुल यादव के नेतृत्व में खेल महोत्सव का सफल एवं अनुशासित आयोजन किया गया।

संस्था के अध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव सामाजिक सेवा, शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहते हुए ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों और युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। उनके नेतृत्व में शाम ग्रुप शिक्षा, प्रतिभा विकास, खेल गतिविधियों एवं सामाजिक सहयोग के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर संस्था के सदस्य मनीष यादव, शिवकुमार, निहाल, मुकेश, श्याम सुंदर, कमला शंकर सहित सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया।इस अवसर पर आयोजक शाम ग्रुप के पदाधिकारियों एवं सहयोगी साथियों ने मुख्य अतिथि का गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत समारोह में निर्मल प्रधान (बबुरा), डॉ. विजय बाबू यादव (जिला पंचायत सदस्य), ननकेश बाबू, रंजीत सोनकर, सुधीर यादव, डॉ. विजय यादव, अंकित यादव, सेमरहा विनय सिंह यादव, गड़ैला प्रधान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मनीष यादव, मोहित यादव, निहाल मिश्रा, निखिल मिश्रा, विमल, संजय एवं अन्य सहयोगी साथियों ने भी अतिथियों के स्वागत में सक्रिय भूमिका निभाई। शाम ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित समरूप खेल महोत्सव का शुभारंभ आज 15 जनवरी से हो गया है, जो 21 जनवरी तक लगातार चलेगा। इस बहुदिवसीय खेल आयोजन में क्षेत्र की विभिन्न खेल टीमों द्वारा भाग लिया जा रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में खेल उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है।

इस खेल महोत्सव का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागी अलग-अलग खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आयोजन स्थल पर खेल प्रेमियों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिल रही है।

महोत्सव के अंतर्गत क्रिकेट, कबड्डी, दौड़ सहित अन्य पारंपरिक एवं आधुनिक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

बीसलपुर तहसील में अवैध मेला धड़ल्ले से चल रहा, करोड़ों की काली कमाई का आरोप

पीलीभीत। बीसलपुर तहसील के सोहरा गांव में कुछ लोग बेखौफ होकर अवैध तरीके से बड़ा मेला लगा रहे हैं। एक ओर प्रशासन ने सखिया मेला बंद कराने में सख्ती दिखाई, वहीं दूसरी ओर यह मेला खुलेआम धड़ल्ले से चल रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आस्था की आड़ में यहां करोड़ों रुपये की काली कमाई हो रही है।यह मेला सोहरा गांव के भगत रैवारी यादव के द्वारा लगाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, योगी सरकार के नियम-कानूनों की यहां खुलेआम अनदेखी हो रही है, जिससे लोगों को गुमराह किया जा रहा है। अवैध ठेले, जुआ और अन्य गतिविधियां मेले में खुला खेल खेल रही हैं, जो बीसलपुर प्रशासन को खुली चुनौती दे रहा नजर आता है।स्थानीय निवासियों ने बताया कि सखिया मेला बंद कराने वाले प्रशासनिक अधिकारी इस बड़े मेले पर अब तक चुप्पी साधे हुए हैं। प्रशासन की इस लापरवाही से इलाके में अपराध के साये बढ़ रहे हैं। सवाल उठता है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी इस अवैध मेले पर नजर डालेंगे या इसे भी आस्था का नाम देकर अनदेखा कर देंगे?

योगी सरकार में नियमों की अनदेखीः प्रशासन चुप्पी क्यों?योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा सख्त कानून-व्यवस्था के दावों के बावजूद बीसलपुर तहसील में यह मेला खुली चुनौती दे रहा है। प्रशासनिक स्रोतों के अनुसार, मेला बिना नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी), फायर सेफ्टी और ट्रैफिक प्लान के लगाया गया है। फिर भी तहसीलदार, पुलिस चौकी प्रभारी और एसडीएम की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई। सवाल उठता है कि क्या ऊपर से दबाव है या भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया मामला?"

मेले का पूरा मामलाः भगत रैवारी यादव का काला कारोबार आस्था का ढोंग रचकर लोगों को लूटा जा रहा है। बच्चे-बूढ़े सब खतरे में हैं।"स्थानीय लोगों का आरोप है कि आस्था की आड़ में यहां करोड़ों रुपये की काली कमाई हो रही है।

जमुनापार वेदों मे आज मनराजी हॉस्पिटल वेदों करछना विधान सभा प्रयागराज में मा.सांसद पुष्पेन्द्र सरोज जी का भव्य स्वागत किया गया

(जीएनएस)।

महेश सिंह लखनऊ /प्रयागराज

जमुनापार वेदों मे आज मनराजी हॉस्पिटल वेदों करछना विधान सभा प्रयागराज में मा.सांसद पुष्पेन्द्र सरोज जी का भव्य स्वागत किया गया बड़ों की दुवायें , युवाओं की आवाज नई सोच, युवा नेतृत्व में आप का आशीर्वाद ऐसे बना रहे और शामिल युवा को आगे बढ़ाने के लिये सांसद जी का सुझाव मिला सभी साथीयो के साथ स्वागतम हुआ जिसमे डॉ. विजय यादव , डॉ. अशोक भारती , डॉ. रमेश

यादव , मोहित यादव समाजवादी छात्र सभा अध्यक्ष प्रयागराज यमुनापार ,मुकेश यादव मा. अरुण यादव समस्त क्षेत्र वासियों का आभार प्रकट

स्वामी प्रमोदानंद महाराज जी ने सत्संग में प्रजापति दक्ष का सुनाया प्रसंग

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। कस्बा मसौली स्तिथ बाबा राम शरण दास भगवत दास कुटी हनुमान मंदिर पर चल रही विराट रूद्र महायज्ञ कार्यक्रम में यज्ञ सम्राट स्वामी प्रमोदानंद महराज जी ने सत्संग में प्रजापति दक्ष का प्रसंग सुनाया।महाराज जी ने कहा प्रजापति दक्ष ने यज्ञ में भगवान शंकर को निमंत्रण नहीं दिया तो सती को जाने से मना करने पर भगवान शंकर ने कहा आपके पिता मुझसे क्रोधित है। तब सती ने इस क्रोध का कारण पूछा तो शंकर जी कहा कि एक समय की बात है। जब प्रजापति दक्ष देवताओं की सभा के सभापति थें। देवताओं की सभा में जब प्रजापति दक्ष का आगमन हुआ तो सभी देवताओं ने खड़े होकर महाराज दक्ष का स्वागत किया लेकिन भगवान शंकर नहीं खड़े हुए।तब प्रजापति ने भगवान शंकर से कहा हे शंकर तो सभा से भग जा। तभी प्रजापति दक्ष ने एक प्रस्ताव जारी किया। की किसी भी पूजा पाठ में शंकर जी को नहीं बुलाया जाएगा। लेकिन बिना शंकर के कौन पूजा पाठ करे। जिससे सभी पूजा पाठ बंद हो गए। तब प्रजापति दक्ष ने यज्ञ का आयोजन किया। और मुझे निमंत्रण नहीं दिया है। यह प्रसंग सुन सभी श्रोताओं ने भगवान भोलेनाथ शंकर के जयकारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय कर दिया।इस अवसर पर मन्दिर के पुजारी रामलाल दास व समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे ।

पिपरा खास में डॉ. डी.पी. गंगवार ने पेश की सेवा और समरसता की मिसाल

खिचड़ी भोज के साथ 1051 जरूरतमंदों को बांटे कंबल

(जीएनएस)।

बरखेड़ा (पीलीभीत)।

क्षेत्र के ग्राम पिपरा खास में सामाजिक समरसता और मानव सेवा का भव्य उदाहरण देखने को मिला, आई एम ए प्रेसिडेंट इलेक्ट एवं 130 विधानसभा बीसलपुर के पूर्व प्रत्याशी, समाजसेवी डॉ. डी.पी. गंगवार के नेतृत्व में खिचड़ी भोज एवं 1051 कंबलों का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन उनके पैतृक गांव में ठंड से जूझ रहे वृद्ध, महिलाएं और आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीणों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया।

कार्यक्रम के दौरान गांव के सैकड़ों जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए और सभी ग्रामवासियों को खिचड़ी-प्रसाद ग्रहण कराया गया। पूरे गांव में उत्साह और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। कंबल पाकर बुजुर्गों और जरूरतमंदों के चेहरों पर राहत और खुशी साफ झलक रही थी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. डी.पी. गंगवार ने कहा कि 'समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की सेवा ही सच्ची सेवा है। ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को कंबल उपलब्ध कराना केवल सहायता नहीं, बल्कि मानवीय कर्तव्य है।' उन्होंने कहा कि उन्हें समाजसेवा से आत्मिक संतोष मिलता है और भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी ग्रामवासियों के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

इस अवसर पर नागेन्द्र प्रताप सिंह (एडवोकेट एवं जिला महामंत्री भाजपा किसान मोर्चा), डीजी अस्पताल की चेयरमैन डॉ. गीता गंगवार, नरेश चंद्र, नीरज गंगवार, जगदीश (लेखपाल), कमलेश, पंकज, गप्पल बाबू, सत्यपाल, जमना प्रसाद, कुमार सेन, राहुल, विकास, नीतन, बबलू सागर सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने डॉ. डी.पी. गंगवार के इस सेवा भाव से प्रेरित कार्य की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और इसे गांव में भाईचारे, एकता और मानवता का मजबूत संदेश बताया।

दियोरिया-बीसलपुर हाईवे पर बेलगाम ई-रिक्शा, बिना नंबर प्लेट दौड़ रहे सैकड़ों वाहन

(जीएनएस)।

दियोरिया।। दियोरियाझ बीसलपुर हाईवे पर इन दिनों बिना नंबर प्लेट के ई-रिक्शा खुलेआम दौड़ रहे हैं और यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ये वाहन न सिर्फ अवैध रूप से सवारियां भर रहे हैं बल्कि आम लोगों की जान के लिए भी बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि ऐसे कई ई-रिक्शा दियोरिया कोतवाली गेट के सामने से रोज गुजरते हैं, फिर भी कोई रोक-टोक नजर नहीं आती।स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह से देर शाम तक दर्जनों ई-रिक्शा बिना किसी पहचान के फरार्टा भरते दिखाई देते हैं। न इनमें नंबर प्लेट लगी है, न ही वाहन स्वामी का नाम या मोबाइल नंबर लिखा है। कुछ में नंबर प्लेट है भी तो इतनी धुंधली कि उसे पढ़ पाना संभव नहीं। ऐसे में अगर कोई हादसा हो जाए तो जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो जाता है। हाईवे पर ओवरलोडिंग, गलत दिशा में चलना और तेज रफ्तार आम बात हो गई है। कई बार बाइक सवार, स्कूली बच्चे और बुजुर्ग इनसे बाल-बाल बचते हैं। इसके बावजूद परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की चुप्पी लोगों को हैरान कर रही है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि बिना नंबर प्लेट और अवैध रूप से चल रहे ई-रिक्शा के खिलाफ तत्काल सख्त अभियान चलाया जाए, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले व्यवस्था सुधारी जा सके। प्रशासन की यह अनदेखी कहीं भारी न पड़ जाए — यही अब सबसे बड़ी चिंता है।

कैसरबाग पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ। कैसरबाग थाना पुलिस ने दुष्कर्म के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी पर शादी का झांसा देकर पीड़िता से शारीरिक संबंध बनाने और बाद में धमकी देने का आरोप है। पुलिस कमिश्नर लखनऊ अमरेंद्र कुमार सेंगर के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी), अपर पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) एवं सहायक पुलिस आयुक्त कैसरबाग थाना प्रभारी अंजनी कुमार मिश्रा के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। थाना कैसरबाग पुलिस ने मो. आदिल पुत्र मोहम्मद यूसुफ, निवासी फ्लैट नंबर 303, आगा साहब की कोठी, ख्यालीगंज, कैसरबाग लखनऊ (मूल निवासी बरेली) को 15 जनवरी 2026 को रात करीब 2:45 बजे रेड क्रॉस अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता द्वारा 29 दिसंबर 2025 को मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरोपी शादी का झूठा वादा कर पीड़िता से संबंध बनाता रहा और शादी की बात करने पर टालमटोल करता था। बाद में आरोपी ने पीड़िता से अभद्रता की और उसकी फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी। मुकदमा दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार था, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ धारा 69/351(2)352/115(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस द्वारा आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा रिमांड की प्रक्रिया की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक प्रशांत कुमार, कांस्टेबल करमचंद्र, हेड कांस्टेबल वीर सिंह, रामकेश सिंह, अरविन्द कुमार सहित सर्विलांस टीम भी शामिल रही।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

बांग्लादेश के हालिया ईशनिंदा के आरोप मामले में, आरोपी को बचाव की इजाजत भी नहीं दी गई

जब आस्था को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता है, बांग्लादेश की दुखद घटना एक चेतावनी है। अगर ईंशनिदा के आरोपों का इस्तेमाल हथियार के तौर पर होता रहा तो और भी बेगुनाह जानें जाएंगी और इस्लाम को दया के बजाय गुस्से का धर्म बताकर गलत तरीके से पेश किया जाएगा। बांग्लादेश में हाल ही में ईंशनिदा के आरोप में एक हिदू वर्वर की लिचिग से न सिर्फ़ एक इंसान की जान गई है; बल्कि यह पूरे समाज के लिए नैतिक मूल्यों का नुकसान है। इस्लाम का अपमान करने के एक बिना वेरिफिकेशन वाले आरोप के बाद हुई इस घटना ने एक बार फिर भारतीय पड़ोस को एक मुश्किल सच का सामना करने पर मजबूर कर दिया है; ईंशनिदा के आरोपों का गलत इस्तेमाल हिसा को सही ठहराने, न्याय को नज़रअंदाज़ करने और कमज़ोर लोगों को चुप कराने के लिए तेज़ी से किया जा रहा है। हालांकि ऐसे काम अक्सर धर्म के नाम पर किए जाते हैं, लेकिन वे खुद इस्लाम के बिल्वुल उलट हैं। पूरे दक्षिण एशिया में, खासकर बांग्लादेश और पाकिस्तान में, ईंशनिदा के आरोप एक खतरनाक सामाजिक हथियार बन गए हैं। अफवाहें तेज़ी से पैलती हैं, भावनाएं भड़कती हैं, और भीड़ जज, जूरी और जल्लाद की भूमिका निभा लेती है। परिवार वुछ ही घंटों में खत्म हो जाते हैं, अक्सर किसी अधिकारी के तथ्यों को वेरिफाई करने या सुरक्षा देने से पहले ही। माइनॉरिटीज़, अलग राय रखने वालों या सामाजिक रूप से कमज़ोर लोगों के लिए, सिर्फ़ आरोप ही मौत की सज़ा बन जाता है। हर ईंशनिदा के आरोप के पीछे एक डरा हुआ इंसान होता है, जिसके माता-पिता, बच्चे, साथ काम करने वाले और सपने होते हैं। बांग्लादेश के हालिया मामले में, आरोपी को बचाव, जांच या ज़िदगी की इज्ज़त भी नहीं दी गई। उसकी हत्या हमददा में गहरी कमी दिखाती है, जहाँ गुस्से ने दया की जगह ले ली है और शक ने इंसाफ की जगह ले ली है। यह पैटर्न नया नहीं है। पाकिस्तान में, भीड़ ने दर्जनों लोगों को मार डाला है, जबकि बाद में कोर्ट को ईंशनिदा का कोई सबूत नहीं मिला। भारत में, जबकि कानूनी सुरक्षा उपाय ज़्यादा मज़बूत हैं, फिर भी लेखकों, कलाकारों और माइनॉरिटीज़ को डराने के लिए धरमिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के आरोपों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। आम बात डर है, डर जो गलत जानकारी और नैतिक डर से और बढ़ जाता है। फिर भी सबसे परेशान करने वाली बात यह दावा है कि ऐसी हिसा धरमिक रूप से सही है। इस बात की गंभीर जांच की ज़रूरत है। आम धारणा के उलट, वुरान ईंशनिदा के लिए कोई दुनियावी सज़ा नहीं बताता है। सदियों से कई जाने-माने विद्वानों ने इस बात पर ज़ोर दिया है। वुरान मानता है कि मानने वालों को बेइज्ज़ती और मज़ाक का सामना करना पड़ेगाः तुम्हें ज़रूर उन लोगों से बहुत बुरा-भला सुनने को मिलेगा जिन्हें तुमसे पहले किताब दी गई थी और उन लोगों से भी जो बहुत भगवान को मानते हैं। लेकिन अगर तुम सब्र रखते हो और भगवान का ध्यान रखते हो, तो यह सच में बहुत बड़े पक्के इरादे की बात है (वुरान 3:186)। एक और आयत मुसलमानों को अलग रहने की हिदायत देती है, न कि हिसक तरीके से बदला लेने कीः जब तुम सुनो कि भगवान की आयतों को नकारा जा रहा है और उनका मज़ाक उड़ाया जा रहा है, तो उनके साथ मत बैठो जब तक कि वे बात न बदल दें (वुरान 4:140)। खास बात यह है कि बेइज्ज़ती या मज़ाक से जुड़ी वुरान की किसी भी आयत में निगरानी रखने वाले को सज़ा देने का हुक्म नहीं है, लिचिग की तो बात ही छोड़ दो। पैगंबर मुहम्मद की ज़िदगी मुसलमानों के लिए सबसे भरोसेमंद गाइड है। पुराने इतिहासकारों ने ऐसे कई उदाहरण लिखे हैं जहाँ पैगंबर की पर्सनली बेइज्ज़ती की गई, उनका मज़ाक उड़ाया गया और उन्हें बेइज्जत किया गया। ताइफ में, उन्हें तब तक पत्थर मारे गए जब तक उनका खून नहीं बहने लगा। जब उन्हें भगवान से बदला लेने का ऑप्शन दिया गया, तो उन्होंने मना कर दिया। और इसके बजाय अपने हमलावरों के लिए दुआ की। इस्लाम के सबसे बड़े धर्मगुरुओं में से एक, इमाम अल- ग़जाली ने इस बात पर ज़ोर दिया कि पर्सनल बेइज्ज़ती के लिए प्राइवेट बदला लेने की ज़रूरत नहीं है और नैतिक रूप से संयम रखना एक बड़ा इस्लामी गुण है।

'सस्तु साहित्य मुद्रणालय ट्रस्ट' द्वारा गुजराती भाषा में प्रकाशित आदि शंकराचार्य की ग्रंथावली का विमोचन

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज अहमदाबाद में 'सस्तु साहित्य मुद्रणालय ट्रस्ट' द्वारा गुजराती भाषा में प्रकाशित आदि शंकराचार्य की ग्रंथावली का विमोचन किया

संस्कृत में रचित आदि शंकराचार्य जी का ज्ञान-सागर आज सभी गुजराती युवाओं को गुजराती भाषा में उपलब्ध हो रहा है

सस्तु साहित्य के माध्यम से स्वामी अखंडानंद जी ने उत्कृष्ट साहित्य को सामान्य जन तक कम मूल्य में पहुँचाया

गुजरात के सामूहिक चरित्र निर्माण में अखंडानंद जी और उनके द्वारा स्थापित सस्तु साहित्य मुद्रणालय ट्रस्ट का बहुत बड़ा योगदान रहा है

आदि शंकराचार्य जी का उपनिषदों का भाष्य सरल, सटीक और सत्य के सबसे निकट हैं

आदि शंकराचार्य जी के लिखे स्तोत्रों में उस समय के सभी प्रश्नों और सनातन धर्म के लिए निर्मित हुई आशंकाओं का तर्कबद्ध निराकरण मिलेगा

आदि शंकराचार्य जी ने कई बार देश की पदयात्राएँ, वे एक पैदल चलते विश्वविद्यालय की भूमिका निभाते थे

आदि शंकराचार्य जी ने चार मठों की स्थापना और मठों में वेदों, उपनिषदों का विभाजन कर उनके संरक्षण, संवर्धन को स्थायी बनाया

जितना ज्ञान इस सृष्टि पर उपलब्ध है, उसमें 'शिवोऽहम्' से बढ़कर कुछ नहीं

कठिन से कठिन परिस्थितियों में सनातन धर्म कालबाह्य न हो, इसके लिए आदि शंकराचार्य जी ने अखाड़ों की स्थापना की और सनातन संस्कृति के लिए संगठन का निर्माण किया

भक्ति, कर्म और ज्ञान, तीनों मार्गों से मोक्ष संभव है, यह समन्वित विचार आदि शंकराचार्य जी की महान देन

आदि शंकराचार्य जी ने शास्त्रार्थ की परंपरा को पुनर्जीवित कर संवाद से समाधान और Culture of Debating की नींव रखी

आदि शंकराचार्य जी ने प्रकृति की पूजा से लेकर सनातन के मूल तत्व को पहचानने का रास्ता आम लोगों के लिए प्रशस्त किया

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज अहमदाबाद, गुजरात में 'सस्तु साहित्य मुद्रणालय ट्रस्ट' द्वारा गुजराती भाषा में प्रकाशित आदि शंकराचार्य की ग्रंथावली का विमोचन किया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आदिशंकर रचित ज्ञानसागर का गुजराती भाषा में उपलब्ध होना गुजरात के पाठकों के लिए खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि गुजराती भाषा में प्रकाशित आदि शंकराचार्य की ग्रंथावली गुजरात के युवाओं के लिए एक बहुत बड़ा खजाना है। श्री शाह ने कहा कि संस्कृत में रचित आदि शंकराचार्य का यह ज्ञानसागर आज गुजराती युवाओं को उपलब्ध कराया गया है, और आने वाले वर्षों में जब अच्छे साहित्य की चर्चा होगी, तब निश्चित तौर पर 'सस्तु साहित्य मुद्रणालय ट्रस्ट' का यह प्रयास उसमें शामिल होगा।

श्री अमित शाह ने कहा कि स्वामी अखंडानंद जी का जीवन ही ऐसा था कि लोगों ने उस महान व्यक्ति के नाम में 'भिक्षु' जोड़ दिया। भिक्षु अखंडानंद ने आयुर्वेद, सनातन धर्म और समाज में उच्च विचारों को प्रस्तुत करने वाले साहित्य के लिए अपना जीवन दिया। स्वामी अखंडानंद जी ने अपने जीवनकाल में यह परिकल्पना की थी कि गुजरात के युवाओं को उत्कृष्ट साहित्य रचनाएँ बहुत ही किफायती दामों में उपलब्ध हो। उन्होंने एक बड़ी संस्था स्थापित की और अपने जीवनकाल में अनेकानेक ग्रंथों को प्रकाशित किया, जिनमें श्रीमद्भगवद्गीता, महाभारत, रामायण, योग वशिष्ठ, स्वामी रामतीर्थ के उपदेश, रामकथामृत और नीति विषयक ग्रंथ शामिल हैं।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि 'सस्तु साहित्य मुद्रणालय ट्रस्ट' ने कौटिल्य के अर्थशास्त्र सहित अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथों को गुजराती भाषा में उपलब्ध कराया है। गुजरात के सामूहिक चरित्र निर्माण में स्वामी अखंडानंद का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कई साहित्यिक सामग्रियों को एकत्रित करके बहुत सरल तरीके से युवाओं तक पहुँचाने का काम किया। स्वामी अखंडानंद जी ने अनेक ऋषि-मुनियों के कथनों के माध्यम से सनातन धर्म के सार को गुजराती में प्रस्तुत करने का काम किया। साथ ही व्यक्ति के अस्तित्व को जागृत करने के लिए स्वामी अखंडानंद ने कई बोधकथाएँ भी गुजराती युवाओं को उपलब्ध कराई।

श्री अमित शाह ने कहा कि लोग इंटरनेट आने के बाद सोचते थे कि शायद अब कोई पुस्तकें पढ़ेगा ही

नहीं, परंतु इन 24 पुस्तकों के प्रकाशन ने इस भरोसे को मजबूत कर दिया है कि नई पीढ़ी भी पढ़ती है। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य जी का यह ज्ञानसागर आज से हमारे गुजराती युवाओं के लिए उपलब्ध है और इसका उनके जीवन एवं कार्यों पर निश्चित रूप से गहरा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य जी ने ऐसी परंपरा स्थापित की जिससे युगों-युगों तक सनातन की सेवा की जाती रहे। श्री शाह ने कहा कि ज्ञान का कभी अंत नहीं होता, ज्ञान हमेशा आगे बढ़ता रहता है। उन्होंने कहा कि इस सृष्टि पर अब तक जितना ज्ञान उपलब्ध है, उसमें 'शिवोऽहम्' से बढ़कर कुछ नहीं है। इतनी सरल, सटीक और सत्य के निकट उपनिषदों की व्याख्या और कोई नहीं दे सकता, यह कार्य केवल आदि शंकराचार्य ही कर सकते थे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि ढेर सारी कुरीतियाँ आने के कारण सनातन धर्म को लेकर कई आशंकाएँ उत्पन्न हो गई थीं। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य जी के ग्रंथों को क्रमबद्ध रूप से पढ़ने पर पता चलता है कि उन्होंने अपने जीवनकाल में ही सारी आशंकाओं का निराकरण कर दिया और सभी किंतु-परंतु के तर्कबद्ध उत्तर उपलब्ध कराए।

गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने युवाओं से आग्रह किया कि गुजराती अनुवाद और भावानुवाद उपलब्ध होने से अब वे आदि शंकराचार्य जी द्वारा रचित ग्रंथ ह्यविवेकचूड़ामणिह्व एक बार अवश्य पढ़ें। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य जी ने केवल विचार नहीं दिए, उन्होंने विचार के साथ-साथ भारत को संयोजन भी प्रदान किया। सिर्फ ज्ञान नहीं दिया, बल्कि ज्ञान का आकार भी दिया। आदि शंकराचार्य जी ने सिर्फ मोक्ष का विचार नहीं दिया, बल्कि मोक्ष तक पहुँचने का मार्ग भी बताया। श्री शाह ने कहा कि इतनी अल्प आयु में उन्होंने कई बार देश की पदयात्रा की। आदि शंकर जी ने एक प्रकार से उस जमाने में पैदल चलते विश्वविद्यालय की भूमिका निभाई। सिर्फ पैदल यात्रा ही नहीं की, बल्कि भारत की पहचान को प्रस्तुत किया।

श्री अमित शाह ने कहा कि आदि शंकराचार्य जी ने चार दिशाओं में चार मठ स्थापित किए, ज्ञानद्वीप की स्थापना की और पूर्व-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण—चारों दिशाओं में सनातन की ध्वजा फहराने का कार्य किया। उन्होंने इन चारों मठों के तत्वावधान में सारे वेदों और उपनिषदों को बाँटकर उनके संरक्षण और संवर्धन के लिए हमेशा के लिए एक व्यवस्था स्थापित की। कठिन से कठिन परिस्थितियों में सनातन धर्म कालबाह्य न हो, इसके लिए आदि शंकराचार्य जी ने अखाड़ों की स्थापना की और सनातन संस्कृति के लिए संगठन का निर्माण किया। श्री शाह ने कहा कि भक्ति, कर्म और ज्ञान, तीनों मार्गों से मोक्ष संभव है, यह समन्वित विचार आदि शंकराचार्य जी की महान देन है। आदि शंकराचार्य जी ने शास्त्रार्थ की परंपरा को पुनर्जीवित कर संवाद से समाधान और उ४'३४१ ङ्म ुिं३ल्लॅ की नींव रखी। उन्होंने यह भी कहा कि आदि शंकराचार्य जी ने प्रकृति की पूजा से लेकर सनातन के मूल तत्व को पहचानने का रास्ता आम लोगों के लिए प्रशस्त किया।

बल्ले से तबाही और फिर 'सिटी मार' इशारा! केएल राहुल के सेलिब्रेशन ने सोशल मीडिया पर लगाई आग

बल्लेबाज केएल राहुल के लिए राजकोट का निरंजन शाह स्टेडियम किसी सुनहरे सपने से कम नहीं रहा। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में जब टीम इंडिया मुश्किल में थी, तब राहुल ने संकटमोचक बनकर न केवल एक ऐतिहासिक शतक जड़ा, बल्कि अपने एक अनोखे 'सिटी मार' सेलिब्रेशन से पूरे सोशल मीडिया पर आग लगा दी।

हर कोई यह जानना चाहता है कि आखिर शांत रहने वाले राहुल ने बीच मैदान पर हेलमेट उतारकर सीटी क्यों बजाई? क्या यह आलोचकों को जवाब था या इसके पीछे कोई 'सीक्रेट' छिपा है? इसका जवाब जानने का प्रयास हर कोई कर रहा है।

राजकोट में तूफानी अंदाज

एक समय था जब केएल राहुल की फॉर्म पर सवाल उठ रहे थे, लेकिन राजकोट में उन्होंने दिखा दिया कि उन्हें 'क्लास प्लेयर' क्यों कहा जाता है। नंबर 5 पर बल्लेबाजी करने आए राहुल ने 92 गेंदों में नाबाद 112 रनों की पारी खेली। अपनी पारी की आखिरी गेंद पर जैसे ही उन्होंने गगनचुंबी छक्का जड़ा और अपना शतक पूरा किया, पूरा स्टेडियम गूंज उठा। असली सुर्खियां बटोरी उनके जश्न मनाने के अंदाज ने बटोर ली।

आमतौर पर केएल राहुल अपने कान बंद करके सेलिब्रेट करते हैं, जिसका मतलब होता है 'बाहर के शोर को अनसुना करना'। लेकिन इस बार उन्होंने अपनी उंगलियां मुंह में डालीं और जोर से सीटी बजाई।

सेलिब्रेशन का मतलब क्या?

खबरों की की मानें तो यह सेलिब्रेशन उनकी बेटी 'इवारा' को समर्पित था। दरअसल, छोटी इवारा अक्सर खेलते हुए इसी तरह अपनी उंगलियां मुंह में डालती है। राहुल ने अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि को अपनी नन्ही परी के नाम करते हुए यह प्यारा इशारा किया। सोशल मीडिया पर फैंस इस 'डैडी-डॉटर' कनेक्शन को देखकर काफी भावुक हो रहे हैं। इस शतकीय पारी का फायदा टीम इंडिया को हुआ है, भारत ने 7 विकेट पर 284 रनों का स्कोर खड़ा कर दिया।

केएल राहुल के कहर से नहीं बच पाए कीवी गेंदबाज, राजकोट में तूफानी शतक जड़कर भारतीय पारी को बचाया

(जीएनएस)।

न्यूजीलैंड के खिलाफ राजकोट एकदिवसीय मुकाबले में केएल राहुल ने उस वक्त जिम्मेदारी संभाली, जब भारतीय टीम की पारी लड़खड़ा चुकी थी। लगातार विकेट गिरने से भारत दबाव में था, लेकिन राहुल ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए पारी को संभाला। उनकी शतकीय पारी ने टीम इंडिया को सहारा दिया।

केएल राहुल ने अपने शतक के साथ पारी को नई रफ्तार दी। उन्होंने 92 गेंदों में नाबाद 112 रन बनाते हुए आखिरी ओवरों में तेजी से रन बटोरे, जिससे भारत का स्कोर 7 विकेट पर 284 रन तक पहुंच गया। मुश्किल हालात में खेली गई यह पारी न सिर्फ राहुल की तकनीकी मजबूती दिखाती है, बल्कि दबाव में मैच पलटने की उनकी काबिलियत का भी सबूत है।

दिग्गज फेल, तब चला जादू

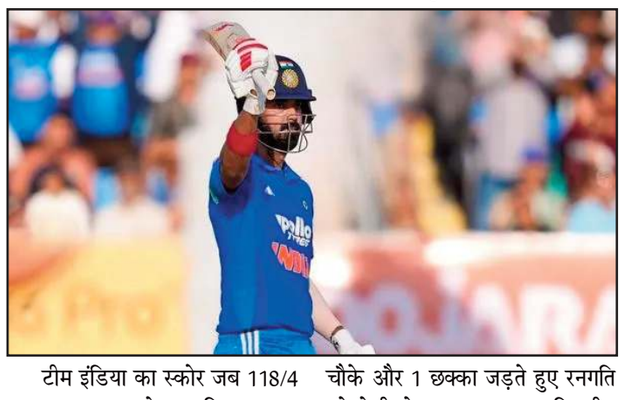

टीम इंडिया का स्कोर जब 118/4 था, तब हालात बेहद मुश्किल नजर आ रहे थे और 200 रन तक पहुंचना भी चुनौती लग रहा था। ऐसे दबाव भरे समय में केएल राहुल ने जिम्मेदारी संभाली और धैर्य के साथ पारी को आगे बढ़ाते हुए कीवी गेंदबाजों की लय पूरी तरह तोड़ दी।

केएल राहुल ने अपनी पारी में 11 चौके और 1 छक्का जड़ते हुए रनगति को तेजी से बढ़ाया। यह एकदिवसीय क्रिकेट में उनका आठवां शतक रहा, जिसने न सिर्फ भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया बल्कि मुश्किल घड़ी में उनकी फिनिशिंग क्षमता भी उजागर की।

टॉस हारकर पहले खेलते हुए आज टीम इंडिया की बैटिंग लाइनअप बिखर सी गई। हालांकि कप्तान शुभमन गिल के बल्ले से जरुर अर्धशतक आया लेकिन रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दो दिग्गज बल्लेबाज सस्ते में आउट हो गए, इससे टीम इंडिया दबाव में थी।

पिछली पारी छोड़ी वहां से किया शुरू

राहुल ने पिछले मैच में छक्के से जीत दिलाई थी, वहां से आज फिर अपनी पारी शुरू करते हुए धमाल मचा दिया। मैदान के चारों तरफ बेहतरीन स्ट्रोक खेलते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हुए उन्होंने टीम की डूबती नैया को पार लगा दिया। भारत ने उनके शतक की वजह से 284 का स्कोर हासिल किया।

45 की उम्र में पवन सिंह के गाने पर संभावना सेठ ने मचाई धूम

(जीएनएस)।

फेमस डांसर, एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर संभावना सेठ एक बार फिर इंटरनेट पर छा गई हैं। जब सोशल मीडिया पर व्लॉगिंग का ट्रेंड शुरू भी नहीं हुआ था, तब उनके पति अविनाश द्विवेदी ने उन्हें यूट्यूब की दुनिया से रूबरू कराया था।

पवन सिंह के गाने पर कातिलाना डांस

आज संभावना सेठ लाखों दिलों पर राज कर रही हैं और उनके फैंस को उनका एक बिल्कुल नया और बिंदास अवतार देखने को मिल रहा है। हाल ही में संभावना सेठ ने भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह के चर्चित गाने राजा जी के दिलवा पर एक छोटा सा डांस रील शेयर किया है। महज 14 सेकेंड के इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है।

संभावना सेठ का वीडियो हुआ वायरल

संभावना सेठ के लटके-झटकों और एक्सप्रेशंस ने हर किसी का ध्यान खींच लिया है। उनका डांस इतना दमदार है कि फैंस खुद को कमेंट करने से रोक नहीं पा रहे हैं। संभावना का रील वायरल होते ही कमेंट सेक्शन तारीफों से भर गया है।

लोगों ने वीडियो पर किए ऐसे कमेंट्स

एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है- 45 साल की हैं? कौन कहेगा। एक दूसरे शख्स ने लिखा है- संभावना जी रियल क्वीन हैं, डांस शुरू होते ही सबकी सिट्टी-पिट्टी गुम। एक फैन ने तो यहां तक लिख दिया है कि वह मलाइका अरोड़ा को भी फेल कर रही हैं।

संभावना सेठ और अविनाश द्विवेदी की जोड़ी

संभावना सेठ और अविनाश द्विवेदी टीवी और यूट्यूब की दुनिया के सबसे पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। दोनों की बॉन्डिंग और ईमानदारी फैंस को काफी पसंद आती है। हालांकि बीता साल उनके लिए बेहद दर्दनाक साबित हुआ था।

शादी के 9 साल बाद भी मां नहीं बन पाईं संभावना सेठ

-साल 2024 में संभावना सेठ को अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा झटका लगा था, जब उनका गर्भपात हो गया था। एक्ट्रेस लंबे समय से मां बनने की कोशिश कर रही थीं। कई बार क्श्ऋ ट्रीटमेंट लेने के बाद जब आखिरकार वह प्रेग्नेंट हुईं, तब ये खुशी ज्यादा समय तक नहीं टिक पाई।

-संभावना सेठ और अविनाश द्विवेदी ने खुद एक व्लॉग के जरिए इस दर्दनाक अनुभव को शेयर किया था। वीडियो की शुरूआत में अविनाश ने भावुक होते हुए बताया था- संभावना ने अपने अजन्मे बच्चे को खो दिया है। कपल ने बताया कि उनकी शादी को 9 साल हो चुके हैं और वह लंबे समय से पैरेंट बनने की कोशिश कर रहे थे लेकिन दुर्भाग्यवश क्श्ऋ भी सफल नहीं हो पाया।

दर्द के बावजूद नहीं टूटा हौसला

इतने बड़े निजी दुख के बावजूद संभावना सेठ ने खुद को संभाला और एक बार फिर अपने डांस और पॉजिटिव एनर्जी से फैंस का दिल जीत लिया। उनका ये जज्बा ही उन्हें बाकी सितारों से अलग बनाता है।

असम की सच्चाई और देशप्रेम दिखाएगी 'बिहू अटैक'

(जीएनएस)।

निमार्ता प्रबीर कांता साहा की नई फिल्म 'बिहू अटैक' दर्शकों के लिए एक सशक्त और सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानी लेकर आ रही है। असम के प्रतिष्ठित बिहू पर्व के अवसर पर रिलीज हो रही यह फिल्म राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान और असम की जमीनी हकीकत जैसे महत्वपूर्ण विषयों को संवेदनशीलता और प्रभावशीलता के साथ पर्दे पर उतारेगी। यह कहानी देशप्रेम, मानवीय संवेदनाओं और रोमांचक घटनाक्रम का एक अनूठा संगम है, जिसकी पृष्ठभूमि में असम का सबसे बड़ा त्योहार बिहू है।

'बिहू अटैक' सिर्फ एक रोमांचक थ्रिलर नहीं है, बल्कि यह किसी क्षेत्र और देश के बीच के गहरे रिश्ते को दशार्ती है। फिल्म उत्तर-पूर्व भारत की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए यह स्पष्ट संदेश देती है कि उग्रवाद के खिलाफ शिक्षा, एकता और सामाजिक समावेशन ही सबसे मजबूत हथियार हैं।

फिल्म में देव मेनारिया, डेजी शाह, अरबाज खान और राहुल देव मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही,

रजा मुराद, युक्ति कपूर, अमी मिसोबह (अमी नाजमा सुल्ताना), हितेन तेजवानी, मीर सरवर, डिम्पू बरुआ, कालिंद्री दास, क्रॉसवेल तिमुंग, जीत रायदुत और अमित लेखवानी भी प्रमुख किरदारों में नजर आएंगे।

'बिहू अटैक' की कहानी असम से ताल्लुक रखने वाले साहसी और कर्तव्यनिष्ठ कोर्ट मार्शल अधिकारी राज कुंवर पर केंद्रित है। राज का मानना है कि भटके लोगों को सही राह पर लाने में शिक्षा और समाज से जुड़ाव, बंदूकों से अधिक कारगर है। इसी सोच के साथ वह क्षेत्र के आतंकी संगठनों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास करते हैं, जिससे स्थानीय समुदायों के साथ विश्वास का मजबूत रिश्ता बनता है।

अपनी पत्नी के निधन के बाद छोटी बेटी द्दति के साथ रह रहे राज कुंवर की ज़िंदगी तब खतरनाक मोड़ लेती है जब खुफिया एजेंसियों को बिहू उत्सव के दौरान एक बड़े आतंकी हमले की सूचना मिलती है। यह हमला देश के रक्षा मंत्री की असम यात्रा से जुड़ा होता है, जिससे हालात और भी गंभीर हो जाते हैं।

फिल्म के निमार्ता प्रबीर कांता साहा ने 'बिहू अटैक' को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, "बिहू अटैक मेरे दिल के बेहद करीब है। यह सिर्फ.एक फिल्म नहीं, बल्कि असम की सच्चाई, उसकी संस्कृति और देश के प्रति लोगों के प्रेम का प्रतिबिंब है। इस कहानी के जरिये हम यह दिखाना चाहते हैं कि शिक्षा, एकता और इंसानियत डर और हिंसा से कहीं ज्यादा ताकतवर हैं। यह फिल्म असम की आत्मा और हमारे वीर सुरक्षाबलों को समर्पित है।"

अपने मजबूत देशभक्ति भाव, समृद्ध सांस्कृतिक पहचान और प्रभावशाली कहानी के साथ 'बिहू अटैक' एक ऐसा सिनेमाई अनुभव बनने का वादा करती है, जो क्षेत्रीय कहानियों को राष्ट्रीय भावनाओं से सफलतापूर्वक जोड़ता है। 'बिहू अटैक' का निर्माण पीकेएस फिल्म प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले हुआ है। फिल्म के निमार्ता प्रबीर कांता साहा हैं, जबकि इसका निर्देशन सुजाद इकबाल खान ने किया है।

विशाल ददलानी ने किया मतदान, बोले - 'मैं अब लोगों से अपील नहीं करता', आखिर क्यों हैं नाराज?

(जीएनएस)।

मुंबई में बीएमसी चुनाव के लिए गुरुवार (15 जनवरी) को मतदान हो रहा है। सिंगर और म्यूजिशियन विशाल ददलानी भी वोटिंग के लिए पहुंचे। इस दौरान दिया उनका बयान चर्चा में हैं। उन्होंने कहा कि मैं अब देशवासियों से और जनता से कोई अपील नहीं करता। ददलानी आम तौर पर सार्वजनिक मुद्दों पर खुलकर राय रखते हैं और उन्होंने अन्ना आंदोलन को भी सपोर्ट किया था। लंबे समय तक उन्होंने आम आदमी पार्टी का समर्थन किया था।

मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंचे विशाल ददलानी ने कहा कि अब वह लोगों से अपील करना छोड़ चुके हैं। इसके बाद से सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसी क्या वजह है कि हर मुद्दे पर खुलकर राय रखने वाले सिंगर-कंपोजर ने मतदान वाले दिन ऐसी निराशा भरी बात कही है।

सिंगर ने साफ कहा कि अब वह लोगों से वोट डालने की अपील करना बंद कर चुके हैं, क्योंकि देश और शहर के लिए आगे आना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। विशाल ददलानी ने कहा, 'मैं अब लोगों से अपील नहीं करता। अगर कोई अपने देश, अपने शहर और अपने भविष्य को लेकर गंभीर है, तो उसे खुद आगे आना चाहिए।' आगे उन्होंने कहा कि मुंबई में कई समस्याएं हैं। शहर में सीवरेज, ट्रैफिक, महालक्ष्मी रेसकोर्स बचाने जैसी कई समस्याएं हैं। लोगों को अपना मत सोच-समझकर देना चाहिए।

महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 महानगरपालिकाओं के लिए गुरुवार, 15 जनवरी को सुबह 7:30 बजे से मतदान जारी है। बीएमसी चुनाव को राज्य की राजनीति में सेमीफाइनल की तरह देखा जा रहा है। इसके नतीजे मुंबई की दिशा और आने वाले राजनीतिक समीकरणों को तय करेंगे। बीएमसी चुनाव 2022 में ही प्रस्तावित थे, लेकिन आखिरकार लगभग 4 साल की देरी के बाद वोटिंग हो रही है। चुनाव के नतीजे शुक्रवार, 16 जनवरी को आएंगे। इन नतीजों का असर ठाकरे परिवार से लेकर बीजेपी और एकनाथ शिंदे पर पड़ना तय है।

पड़रिया तुला में पूर्व प्रधानपति ने बांटे कंबल:मकर संक्रांति पर गरीबों को मिली ठंड से राहत

(जीएनएस)।

पड़रिया तुला। विकास खण्ड बिजुआ क्षेत्र के कस्बा पड़रिया तुला में पूर्व प्रधानपति विजय सिंह ने मकर संक्रांति पर्व पर गरीबों को कंबल वितरित किए। यह वितरण कार्यक्रम उनके आवास पर आयोजित किया गया।

बृहस्पतिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में गांव के गरीब और असहाय लोगों को ठंड से बचाव के लिए कंबल दिए गए।

पूर्व प्रधानपति विजय सिंह ने बताया कि यह वितरण कार्यक्रम प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि सर्दियों में कंबल वितरण से उन असहायों को काफी मदद मिलती है, जो ठंड में कंबल के अभाव में ठिठुरते रहते हैं।

उन्होंने समाज के हर सक्षम व्यक्ति से इस तरह के परोपकारी कार्यों में आगे आने का आ'ान किया। कंबल पाकर जरूरतमंदों को ठंड से राहत मिली।

व्यापारी नेता की हत्या कराने को शूटरों से मिलवाने वाले शातिरों को पुलिस ने दबोचा

मथुरा (जीएनएस)। गोवर्धन के प्रतिष्ठित व्यापारी नेता की हत्या कराने के लिए सुपारी दिलवाने वाले शातिरों को पुलिस ने जमुनावता के पास से गिरफ्तार कर लिया। बताते चलें कि विगत 4 जनवरी की रात में घर जा रहे व्यापारी नेता गणेश पहलवान की हत्या करने के लिए सुपारी लेकर पहुंचे शूटरों ने गोलियां चलायीं थीं। उस समय व्यापारी नेता गणेश पहलवान, शूटरों की गोली से बाल-बाल बच गए थे। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए शूटरों को मुठभेड़ में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। इसके बाद थाना प्रभारी भगवत सिंह गुर्जर पुलिस टीम के साथ व्यापारी नेता की हत्या के लिए सुपारी देने वाले और शूटरों से मिलवाने वाले शातिरों की तलाश में दबिशें दे रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि शूटरों से मिलवाने वाले शातिर देवो उर्फ देवेन्द्र पुत्र प्रताप निवासी गांव अगरयाला थाना शेरगढ़ और आरव उर्फ नारायन पुत्र शंकरलाल तिवारी निवासी आदमपुर थाना शेरगढ़ जमुनावता चौराह से महमदपुर की ओर जाने वाले हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी भगवत सिंह गुर्जर पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए और घेराबंदी करके देवेन्द्र उर्फ देवो और आरव उर्फ नारायण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिरों के कब्जे से 1 तमंचा, कारतूस और एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

पंजाब नैशनल बैंक द्वारा विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह तथा कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन

15 जनवरी, 2026 सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा दिनांक 14.01.2026 को अपने प्रधान कार्यालय में विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह तथा कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन माननीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अशोक चंद्र की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री बी. पी. महापात्र, श्री अमित कुमार श्रीवास्तव और मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री राघवेंद्र कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक, श्री सुमेश कुमार द्वारा बैंक के वरिष्ठ प्रबंधन और प्रख्यात कवियों श्री चिराग जैन और श्री अरूण जैमिनी तथा श्री धर्मवीर, उपनिदेशक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के स्वागत के साथ किया गयो इस अवसर पर माननीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अशोक चंद्र और बैंक के शीर्ष कार्यपालकों के कर-कमलों से बैंक के राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन से संबन्धित 'वार्षिक कैलेंडर, बैंक की तिमाही पत्रिका पीएनबी प्रतिभा-कॉर्पोरेट गवर्नेंस तथा सुरक्षा विशेषांक और श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक द्वारा लिखी गई पुस्तक 'केंचुली' का विमोचन भी किया गया।

माननीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि 'हिंदी देश की राजभाषा है और इसके प्रचार-प्रसार एवं कार्यान्वयन हेतु पंजाब नैशनल बैंक दृढ़ संकल्पित है। जब हम विकसीत भारत-2047 की संकल्पना कर रहे हैं उसमे भाषा का महत्व बहुत अधिक हैं अगर हमें देश के कोने-कोने तक पहुचना हैं , बैंक के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को यदि हम बैंकिंग सेवाएं देना चाहते हैं तो उसका एकमात्र माध्यम हिन्दी और केवल हिन्दी है हम हिन्दी के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं का सम्मान करते हुए हिन्दी का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं विश्व के जितने भी विकसित राष्ट्र हैं सबकी अपनी राष्ट्रीय भाषा है और हमारे देश में हिन्दी ही इतनी सशक्त भाषा है जिसके अंदर देश को एकसूत्र में पिरोने की क्षमता है पंजाब नैशनल बैंक अपने डिजिटल उत्पादों में हिंदी व 13 क्षेत्रीय भाषाओं के प्रयोग से अपना कारोबार बढ़ा रहा है और राजभाषा कार्यान्वयन हेतु सदैव प्रतिबद्ध है यह स्वतन्त्रता सेनानी स्व. लाला लाजपत रॉय द्वारा स्थापित किया हुआ प्रथम स्वदेशी बैंक है अतः देश की भाषा को जन-जन की भाषा बनाने की नैतिक जिम्मेदारी हमारे ऊपर सबसे अधिक हैं

कवि सम्मेलन हेतु आए दोनों प्रख्यात कवियों ने अपनी हास्य और व्यंगात्मक कविताओं से इस कार्यक्रम और भी यादगार बनाया इस अवसर पर हिंदी में मुख्य रूप से अधिक कार्य करने वाले उच्च अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों को प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय एवं कार्यपालक निदेशकों द्वारा शील्ड व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया

कार्यक्रम का समापन श्रीमती मनीषा शर्मा, विभागीय प्रमुख द्वारा पंजाब नैशनल बैंक में किए जा रहे राजभाषा कार्यान्वयन से संबन्धित कार्यों की एक प्रस्तुति और श्री आशीष शर्मा, मुख्य प्रबन्धक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

सपा अंबेडकर वाहिनी ने धूमधाम से मनाया सांसद डिंपल यादव जी का जन्मदिन

यूपी /15 जनवरी को पिरान कलियर के साबिर साहब की दरगाह पर रुड़की हरिद्वार में मैनपुरी की लोकप्रिय सांसद श्रीमती डिम्पल यादव जी का जन्म दिन केक काटकर धूम धाम के साथ मनाया गया ! जिसमे आजीवन स्वस्थ व दीर्घायु होने की कामना की गई ! साथ ही पिरान कलियर के साबिर साहब के दरगाह में चादर चढ़ाकर 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने व सांसद डिंपल यादव जी के दीर्घायु होने की मन्नत माँगी गई ! कार्यक्रम की अध्यक्षता अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राव धन्नू व संचालन राष्ट्रीय सचिव मौसम अली ने किया ! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती थे ! इस अवसर मिठाई लाल भारती ने मैनपुरी सांसद आदरणीया डिंपल यादव जी को जन्म दिन की बधाई देते हुए आजीवन स्वस्थ रहने तथा दीर्घायु होने की कामना की ! उन्होंने कहा कि अब देश में ढऊअ सरकार की जरूरत है ! 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए बीजेपी को हटाना जरूरी है ! यह जानकारी सपा बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव रामबाबू सुदर्शन ने दी कार्यक्रम में प्रमुख रूप से समाजवादी पार्टी हरिद्वार के पूर्व जिलाध्यक्ष नरेन्द्र गुज्जर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेराज अहमद , राष्ट्रीय सचिव गण पूजा अम्बेडकर, सोनू कुमार भारती, रवि दत्त भारती, जिलाध्यक्ष अम्बेडकर वाहिनी महेन्द्र पाल सिंह गौतम, राव रिहान, मेनपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह गुज्जर , राधिका यादव आदि सभा को सम्बोधित कर सांसद डिम्पल यादव जी को जन्मदिन का बधाई दिया तथा दीर्घायु जीवन की मंगल कामना की !

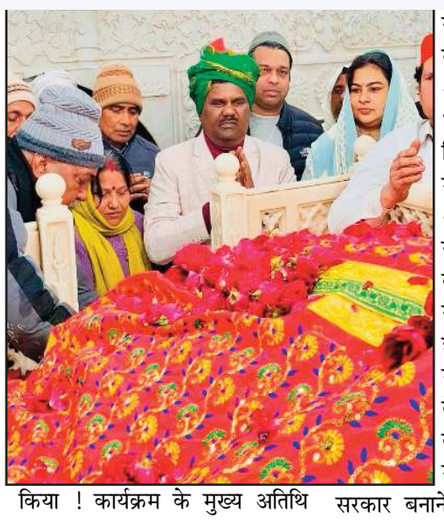

गोवर्धन पुलिस और एसओजी टीम से मुठभेड़ में कुख्यात ईनामी बदमाश के लगी गोली : जनपद पुलिस अभियान चलाकर साइबर अपराधियों के नेटवर्क को कर रही ध्वस्त

मथुरा (जीएनएस)। थाना गोवर्धन क्षेत्र स्थित गांठौली-जमुनावता बाईपास पर गोवर्धन पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ में कुख्यात 25 हजार के ईनामी साइबर अपराधी को लंगड़ा कर दिया है। एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में जनपद विशेष अभियान चलाकर साइबर अपराधियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी गोवर्धन भगवत सिंह गुर्जर और एसओजी प्रभारी राकेश कुमार पुलिस टीम के साथ साइबर अपराधियों की धरपकड़ में लगे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि 25 हजार का ईनामी कुख्यात साइबर अपराधी कहीं भागने की फिराक में गांठौली-जमुनावता बाईपास से डीगगेट की ओर जाने वाला है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी भगवत सिंह गुर्जर और एसओजी प्रभारी राकेश कुमार पुलिस टीम में एसआई कृपाल सिंह, एसओजी के मुख्य आरक्षी रजनीश यादव, अजय कुमार, मुकेश कुमार, दीपक राव, संदीप यादव, सुबोध कुमार, सुदेश कुमार और थाना गोवर्धन के आरक्षी प्रीत कुमार, राहुल बालियान, रिंकू चौधरी के साथ वहां पहुंच गए। उसी दौरान वहां होकर जा रहे 25 हजार के ईनामी साइबर अपराधी को पुलिस ने घेरा तो शातिर ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने जबावी फायरिंग की तो ईनामी बदमाश मोहम्मद साद उर्फ काला पुत्र साहुन निवासी गांव देवसेरस थाना गोवर्धन के पैर में सरकारी पीतल धंस गई। पुलिस की गोली लगते ही जमीन पर गिरे ईनामी बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार करके ईलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने पकड़े गए घायल ईनामी बदमाश के कब्जे से 1 तमंचा, कारतूस और बिना नंबर प्लेट की एक स्पलेंडर बाइक बरामद की है। बताते चलें कि पकड़ा गया ईनामी बदमाश और गांव देवसेरस के उसके साथी संगठित गिरोह बनाकर देश के विभिन्न राज्यों में फर्जी फोन नंबरों से कॉल करके लोगों को ठगी का शिकार बना रहे थे। शातिर साइबर अपराधी जंगल व खेतों में बैठकर फर्जी सिम से कॉल करके कभी किसी का परिचित बन, कभी फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर भोले-भाले लोगों से फर्जी बैंक खातों में पैसे डलवा लेते हैं। एसएसपी श्लोक कुमार ने साइबर अपराधियों की कमर तोड़ने के लिए विशेष अभियान शुरू कराया तो पुलिस से बचने के लिए कई साइबर अपराधी दूसरे राज्यों मे भागकर वहां से साइबर अपराध करके लोगों ठगी का शिकार बना रहे थे। पुलिस ने मुठभेड़ में घायल हुए ईनामी बदमाश के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

कलर्स के स्टार्स ने मनाई लोहड़ी और मकर संक्रांति, जगमगा उठा त्योहारों का माहौल

कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' के करण कुंद्रा ने कहा, 'बचपन में, लोहड़ी सिर्फ मजे करने का त्योहार था - म्यूजिक, डांस, खाना, और कैसे यह सबको एक साथ लाता था। लेकिन सालों से, मुझे एहसास हुआ है कि यह मेरे परिवार की पहचान और परवरिश में कितनी गहराई से जुड़ा हुआ है। हालांकि मैं लाफ्टर शेफ्स के लोहड़ी स्पेशल एपिसोड का हिस्सा नहीं बन पाया, लेकिन मुझे इसे देखकर बहुत अच्छा लगा। एनर्जी, रंग और त्योहार का माहौल घर जैसा लगा। मेरे लिए यह समय और भी खास इसलिए है क्योंकि मुझे सिर्फ लोहड़ी ही नहीं, बल्कि तेजस्वी के साथ मकर संक्रांति भी मनाने का मौका मिल रहा है। उसने मुझे बताया कि उसके परिवार में मकर संक्रांति कैसे मनाई जाती है, और मुझे यह जानकर बहुत अच्छा लगा कि सर्दियों के इसी बदलाव को पूरे भारत में इतने अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। यह बहुत प्यारा है कि भले ही परंपराएं अलग-अलग हों, लेकिन भावनाएं वही रहती हैं। मुझे उम्मीद है कि हर थाली में खाना हो और हर घर में खुशियां हों। सभी को लोहड़ी और मकर संक्रांति की बहुत-बहुत शुभकामनाएं!'

'नागिन 7' में लीड रोल निभाने वाली प्रियंका चाहर चौधरी ने शेयर किया, 'मैं पंजाबी नहीं हूं, लेकिन लोहड़ी हमेशा से उन त्योहारों में से एक रही है जो नए साल का जश्न दोबारा मनाने का मौका देती है। चंडीगढ़ में 'उड़ारियां' के दिनों में, हमने लोहड़ी बहुत प्यार से मनाई थी, अलाव, म्यूज़िक, हंसी और बेशक, सभी स्वादिष्ट खाना। मुझे याद है कि कैसे पूरा माहौल आपको अपनेपन के खूबसूरत एहसास में लपेट लेता था। इस साल, मैं एक नए परिवार - नागिन 7 की टीम के साथ लोहड़ी मना रही हूं। मैं दर्शकों की बहुत आभारी हूं कि उन्होंने शो पर इतना प्यार बरसाया और इसे भारत का सबसे पसंदीदा माइथो-फैंटेसी बनाया। यह साल मेरे लिए बहुत अच्छे नोट पर शुरू हुआ है, और मैं वादा करती हूं कि दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए अपना बेस्ट देती रहूंगी। लोहड़ी जैसे त्योहार मुझे खासकर खुश करते हैं क्योंकि ये परिवारों को एक साथ लाते हैं, और मैं प्रार्थना करती हूं कि ये सभी मिलन प्यार से भरे हों। हैप्पी लोहड़ी!'

कलर्स के 'मन्नत हर खुशी पाने की' में मन्नत का किरदार निभाने वाली आयशा सिंह कहती हैं, 'हर साल, मैं लोहड़ी पर बोनफायर, पुराने लोकगीत गाने और अपने प्रियजनों के साथ गजक और तिल के लड्डू खाने का बेसब्री से इंतजार करती हूँ। यह ज़िंदगी की छोटी-छोटी खुशियों का मजा लेने, आभार व्यक्त करने और अपने सोशल सर्कल के लोगों से मिलने-जुलने का समय है - उन लोगों की जिंदगी में क्या चल रहा है, जिनके बारे में मैं परवाह करती हूँ। यह साल खासकर रोमांचक लग रहा है क्योंकि मैं 'मन्नत हर खुशी पाने की' की कास्ट के साथ लोहड़ी मनाऊँगी। जैसे-जैसे शो मन्नत की यात्रा में महत्वपूर्ण मोड़ ले रहा है, अपनी ऑनस्क्रीन फैमिली के साथ यह त्योहार मनाना इसमें एक और मायने जोड़ता है। हो सकता है कि मैं अपने किरदार मन्नत, जो एक शेफ है, से प्रेरित होकर खुद कुछ लोहड़ी की स्वादिष्ट चीजें बनाने की कोशिश करूँ। सभी को लोहड़ी की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ!'

श्रद्धालुओं से लूट और छीनैती करने वाले तीन लुटेरे मुठभेड़ में गोली लगने से हुए घायल : लूटे गए पर्स, मोबाइल, नगदी और अवैध हथियार बरामद

मथुरा (जीएनएस)। धार्मिक नगरी में वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं के साथ लूट और छीनैती करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ में दबोच लिया। पुलिस की गोली लगने से तीनों बदमाश लंगड़ाते हुए ईलाज के लिए अस्पताल पहुंचाए गए। जानकारी के अनुसार धार्मिक नगरी वृंदावन में प्रभु दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं के साथ शातिर बदमाश लूट और छीनैती की घटना को अंजाम दे रहे थे। धार्मिक नगरी वृंदावन की छवि को स्वच्छ रखने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए थाना प्रभारी वृंदावन संजय पांडेय पुलिस टीम के साथ वारदातों को अंजाम देने वाले बदमाशों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली गौ-ग्राम से धौरेरा मार्ग पर महिला श्रद्धालु से लूटपाट करने वाले बदमाश जाने वाले हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संजय पांडेय पुलिस टीम में अतिरिक्त निरीक्षक क्राइम धर्मेन्द्र कुमार, एसएसआई अभय शर्मा, चौकी प्रभारी अद्धा कुलवीर तरार, एसआई शिवकुमार शर्मा, एसआई अरुण कुमार, मुख्य आरक्षी बिजेन्द्र कुमार, जिनेन्द्र सिंह, रितेश कुमार, विमल कुमार, नितिन कुमार, नारायण सिंह, सुनील कुमार, नारायण यादव, बिजेन्द्र सिंह और वीरेन्द्र कुमार के साथ वहां पहुंच गए। उसी दौरान वहां होकर जा रहे लुटेरों को पुलिस ने घेर लिया। पुलिस टीम का घेरा तोड़ने के लिए शातिरों ने फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने जबावी कार्रवाई की तो शातिर बदमाश गौरव पुत्र जगदीश निवासी चन्द्रसखी मोहल्ला केसीघाट थाना वृंदावन, रोहित पुत्र रमेश निवासी गांव स्याहरा थाना शेरगढ़ और विमल उर्फ लड्डू पुत्र रामबाबू निवासी केसीघाट थाना वृंदावन के पैरों में गोली धंस गईं। पुलिस ने गोली लगने से घायल हुए बदमाशों को गिरफ्तार करने के बाद ईलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने पकड़े गए घायल बदमाशों के पास से 3 तमंचा, कारतूस, बिना नंबर प्लेट की एचएफ डीलक्स बाइक, दो लूटे हुए मोबाइल और 58 सौ 10 रूपए बरामद किए हैं। बता दें कि मुठभेड़ में घायल हुए बदमाशों ने मिथला कुंज के सामने एक महिला श्रद्धालु के 12 हजार रूपए और एक मोबाइल रखे हुए पर्स और विगत 3 जनवरी को यमुना जी श्री राधावल्लभ मंदिर के पास से पर्स छीनकर फरार हो गए थे। पुलिस ने मुठभेड़ में घायल हुए बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रसंघ से भाजपा राजनीति तक: प्रदीप सिंह का सफर

लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रसंघ की राजनीति से पहचान बनाने वाले प्रदीप सिंह ने युवावस्था में ही नेतृत्व, संगठन और संघर्ष का परिचय दिया। छात्रसंघ के सक्रिय नेता के रूप में उन्होंने छात्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और शिक्षा, सुविधाओं तथा अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर मुखर भूमिका निभाई।

छात्र राजनीति के दौरान प्रदीप सिंह ने संवाद, समन्वय और अनुशासन के साथ कार्य कर युवाओं का विश्वास अर्जित किया। यही अनुभव आगे चलकर उनकी राजनीतिक यात्रा की मजबूत नींव बना। विश्वविद्यालय परिसर में उनकी पहचान एक ऐसे नेता के रूप में रही जो छात्रों के हितों के साथ-साथ सकारात्मक और रचनात्मक राजनीति में विश्वास रखता था।

लखनऊ विश्वविद्यालय संघ की राजनीति से निकलकर प्रदीप सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में सक्रिय भूमिका निभाई। आज वे भाजपा के एक समर्पित नेता के रूप में संगठन और कार्यकर्ताओं के बीच सेतु बनकर कार्य कर रहे हैं। छात्रसंघ से लेकर सक्रिय राजनीति तक का उनका सफर यह दर्शाता है कि मजबूत नेतृत्व की शुरूआत अक्सर छात्र राजनीति से होती है, जो आगे चलकर समाज और राष्ट्रसेवा का मार्ग प्रशस्त करती है लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी के माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री पंकज चौधरी जी से भेंट कर भाजपा नेता प्रदीप सिंह बब्बू (लखनऊ) ने मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इस अवसर पर उन्होंने संगठन को निरंतर मजबूती प्रदान करने तथा कार्यकर्ताओं के उत्साहवर्धन के लिए प्रदेश अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

भेंट के दौरान संगठनात्मक विषयों पर भी चर्चा हुई। प्रदीप सिंह बब्बू ने कहा कि श्री पंकज चौधरी जी के मार्गदर्शन में प्रदेश में पार्टी का विस्तार और कार्यकर्ताओं का मनोबल लगातार बढ़ रहा है, जिससे भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियाँ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रही हैं।

प्रदेश अध्यक्ष श्री पंकज चौधरी जी ने भी मकर संक्रांति की शुभकामनाएँ देते हुए कार्यकर्ताओं से संगठन के प्रति समर्पण भाव के साथ निरंतर सक्रिय रहने का आ'ान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और एकजुटता से ही पार्टी जनविश्वास को और मजबूत कर रही है।

फैमिली आईडी से नहीं कटेगा किसी राशन कार्ड धारक के परिजन का नाम : डीएसओ संजीव

-फैमिली आईडी पर उड़ रही है अफवाह पर लगा विराम

मथुरा (जीएनएस)। फैमिली आईडी (एक परिवार-एक पहचान) योजना को लेकर फैल रही अफवाह को जिला पूर्ति अधिकारी ने सिरे से खारिज कर दिया। इस संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने साफ कहा कि फैमिली आईडी बनवाने से किसी लाभार्थी के परिजन का नाम राशन कार्ड से नहीं कटेगा और न ही किसी लाभार्थी की पात्रता पर कोई असर पड़ेगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने कहा कि राशन कार्ड से जुड़ी सभी सुविधाएं पहले की तरहा ही रहेंगी। जिला पूर्ति अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने अफवाहों पर विराम लगाते हुए कहा कि नियोजन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी शासनादेश पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा यह अफवाह फैलाई जा रहा है कि फैमिली आईडी बनने पर गरीब और पात्र परिवारों को मिलने वाला राशन बंद हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस अफवाह को समाप्त करते हुए प्रमुख सचिव ने स्थिति पूरी तरह साफ कर दी है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों का राशन कार्ड बनने योग्य है लेकिन अभी तक कार्ड नहीं बन सका है, वह फैमिली आईडी पोर्टल के माध्यम से फैमिली आईडी बनवा सकते हैं। उनका कहना है कि फैमिली आईडी बनने के बाद भी लाभार्थी परिवार कभी भी पात्रता के अनुसार राशन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं, इससे उनकी पात्रता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

डीएसओ संजीव कुमार सिंह ने यह भी साफ कहा कि जिन परिवारों की फैमिली आईडी बन चुकी है और उनके पास राशन कार्ड नहीं है, राशन कार्ड जारी होते ही वही नंबर फैमिली आईडी के रूप में मान्य होगा। इसके बाद संबंधित परिवारों को सभी राशन संबंधी सुविधाएं नियमित रूप से मिलने लगेंगी। जिला पूर्ति अधिकारी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह किसी भी तरह की अफवाह पर यकीन न करें और बिना किसी भय के फैमिली आईडी बनवाएं। कहा कि यह योजना भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ तेजी, पारदर्शिता और एक ही पहचान के तहत उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है।